

अध्याय - 9 | जंतुओं में जैव प्रक्रम

QUIZ PART-02

1. ग्रासनली का मुख्य कार्य क्या है?

- A. भोजन को मुख से आमाशय तक पहुँचाना
- B. रक्त को पूरे शरीर में पहुँचाना
- C. भोजन से जल अवशोषित करना
- D. पित्तरस बनाना (A)

व्याख्या: ग्रासनली एक लंबी एवं लचीली नलिका है, जो भोजन को मुख से आमाशय तक पहुँचाती है।

2. ग्रासनली में भोजन आगे किस प्रकार बढ़ता है?

- A. केवल गुरुत्वाकर्षण द्वारा
- B. रक्त के दबाव द्वारा
- C. संकुचन तथा शिथिलन की लहरदार गति द्वारा
- D. पित्तरस के प्रवाह द्वारा (C)

व्याख्या: भोजन ग्रासनली में उसकी भित्तियों के संकुचन और शिथिलन से उत्पन्न लहरदार गति द्वारा आगे बढ़ता है।

3. आमाशय की भित्तियाँ भोजन के साथ क्या करती हैं?

- A. उसे सीधे रक्त में भेजती हैं
- B. भोजन को मथती हैं
- C. केवल जल सोखती हैं
- D. उसे गुदा तक पहुँचाती हैं (B)

व्याख्या: आमाशय की भित्तियाँ भोजन को मथती हैं और उसे पाचक रस, अम्ल तथा श्लेष्मा के साथ मिलाती हैं।

4. आमाशय का पाचक रस मुख्य रूप से किसका पाचन करता है?

- A. जल
- B. लवण
- C. केवल खनिज
- D. प्रोटीन (D)

व्याख्या: आमाशय में उपस्थित पाचक रस प्रोटीन के पाचन में सहायक है।

5. आमाशय में उपस्थित अम्ल की एक प्रमुख भूमिका क्या है?

- A. पाचन में सहायता करना तथा हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करना
- B. पोषकों को रक्त में भेजना
- C. मल को अर्ध-ठोस बनाना
- D. भोजन को मुख तक वापस लाना (A)

व्याख्या: आमाशय का अम्ल पाचन में सहायक होता है और हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करने में सहायता करता है।

6. आमाशय की परत को अम्ल से कौन सुरक्षित रखता है?

- A. रक्त
- B. लार
- C. श्लेष्मा
- D. पित्तरस (C)

व्याख्या: श्लेष्मा आमाशय की आंतरिक परत को अम्ल के प्रभाव से सुरक्षित रखता है।

7. आहार नाल का सबसे लंबा भाग कौन-सा है?

- A. ग्रासनली
- B. क्षुद्रांत्र
- C. आमाशय
- D. बृहदांत्र (B)

व्याख्या: क्षुद्रांत्र अर्थात् छोटी आँत आहार नाल का सबसे लंबा भाग है और इसकी लंबाई लगभग 6 मीटर होती है।

8. क्षुद्रांत्र को पाचक स्राव कितने प्रमुख स्रोतों से प्राप्त होते हैं?

- A. पाँच
- B. चार
- C. दो
- D. तीन (D)

व्याख्या: क्षुद्रांत्र को पाचक स्राव उसके आंतरिक अस्तर, यकृत और अग्न्याशय—इन तीन स्रोतों से प्राप्त होते हैं।

9. यकृत से किसका स्राव होता है?

- A. पित्तरस
- B. लार
- C. श्लेष्मा
- D. रक्त (A)

व्याख्या: यकृत से पित्तरस का स्राव होता है और यह थोड़ा क्षारीय होता है।

10. क्षुद्रांत्र में पाए जाने वाले अंगुली जैसे हजारों प्रवर्ध क्या कहलाते हैं?

- A. कूपिकाएँ
- B. रुधिर कोशिकाएँ
- C. दीर्घरोम या रसांकुर
- D. श्वासनलियाँ (C)

व्याख्या: क्षुद्रांत्र के आंतरिक अस्तर पर पाए जाने वाले अंगुली जैसे प्रवर्ध दीर्घरोम या रसांकुर कहलाते हैं। ये सतही क्षेत्रफल बढ़ाकर पोषकों के प्रभावी अवशोषण में सहायक हैं।